चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 21 अप्रैल 2026, अंक –262.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

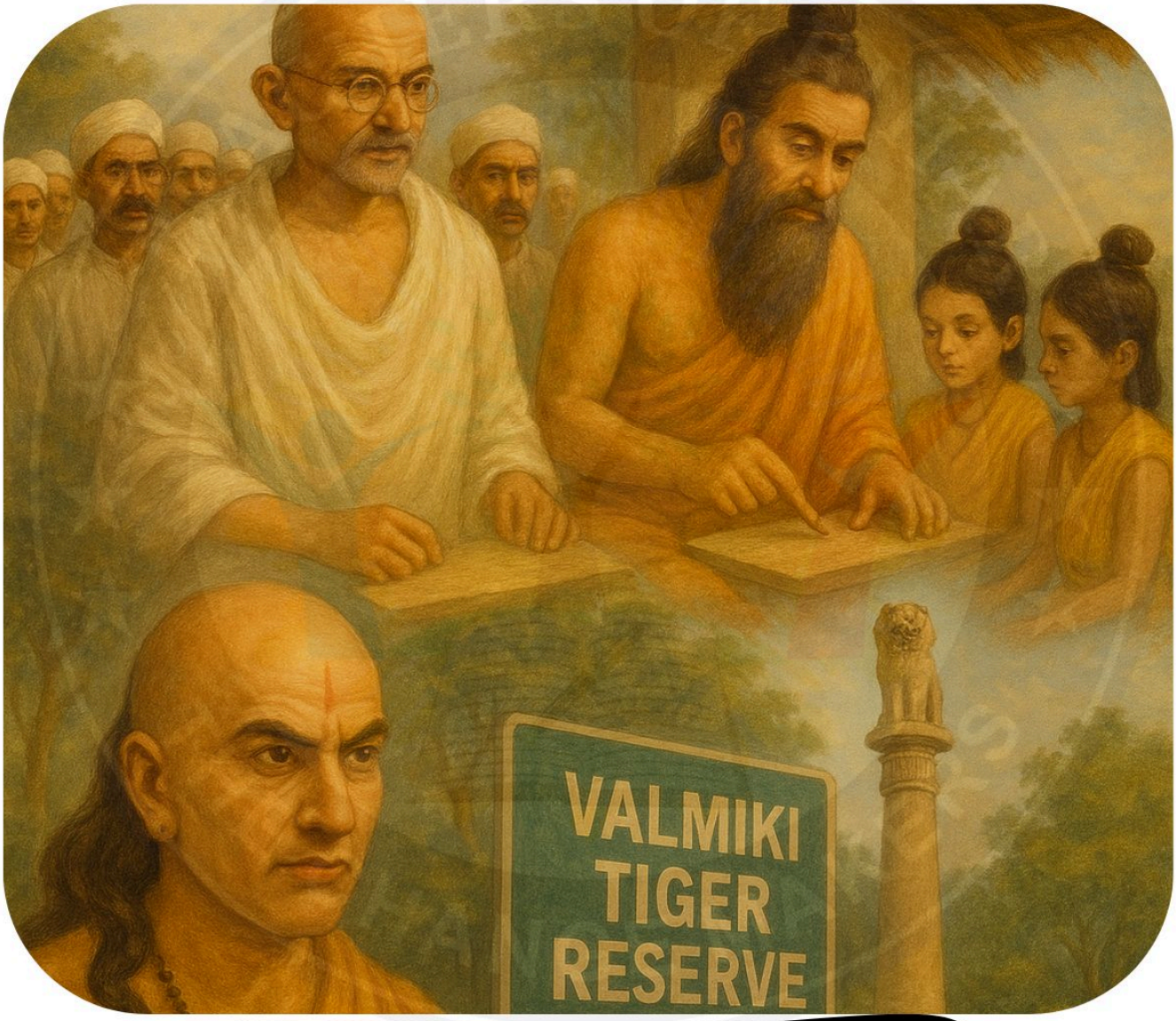

'शिक्षा महान समानता लाने वाली है।'

-डॉ. BR Ambedkar

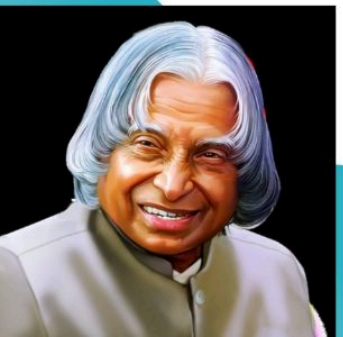

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. यूनाइटेड किंगडम की संसद को क्या कहा जाता है?
उत्तर: पार्लियामेंट
प्रश्न 2. भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त कौन थे?
उत्तर: सुकुमार सेन
प्रश्न 3. घूमर नृत्य किस राज्य से संबंधित है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 4. 27 का वर्ग क्या है?
उत्तर: 729
प्रश्न 5. बिहार का राजकीय फूल कौन सा है?
उत्तर: गेंदा
प्रश्न 6. कान्हा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: मध्य प्रदेश
प्रश्न 7. कंपास (दिशा सूचक) का आविष्कार किस देश में हुआ?
उत्तर: चीन
प्रश्न 8. भारत में कितने केंद्र शासित प्रदेश हैं?
उत्तर: 8
प्रश्न 9. 'राम और श्याम' में 'और' किस प्रकार का शब्द है?
उत्तर: समुच्चयबोधक
प्रश्न 10. पौधों में जल ऊपर किस भाग से जाता है?
उत्तर: तना

संकलन:-

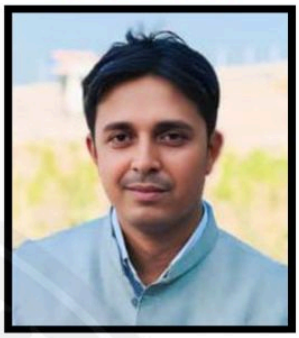

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Give – (गिव) – देना
2. Take – (टेक) – लेना
3. Bring – (ब्रिंग) – लाना
4. Buy – (बाय) – खरीदना
5. Sell – (सेल) – बेचना
6. Hold – (होल्ड) – पकड़ना
7. Catch – (कैच) – पकड़ना

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "वे ... नहीं हैं" (They are not ...)

वे खुश नहीं हैं। – They are not happy.
वे ठीक नहीं हैं। – They are not fine.
वे तैयार नहीं हैं। – They are not ready.
वे व्यस्त नहीं हैं। – They are not busy.
वे सुरक्षित नहीं हैं। – They are not safe.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 21 अप्रैल को भारत में कौन सा विशिष्ट दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस
व्याख्या: 21 अप्रैल को 'नेशनल सिविल सर्विसेज डे' मनाया जाता है। इसी दिन 1947 में सरदार पटेल ने प्रशासनिक अधिकारियों को 'भारत का स्टील फ्रेम' कहा था। यह दिवस लोक सेवकों को नागरिकों के हितों के लिए स्वयं को समर्पित करने और उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करने हेतु मनाया जाता है।
संदर्भ: Press Information Bureau (PIB) India, 2026.

2. हाल ही में 'G7 शिखर सम्मेलन 2026' का आयोजन किस देश में प्रस्तावित है? (समसामयिकी)
उत्तर: इटली
व्याख्या: वर्ष 2026 का G7 शिखर सम्मेलन इटली में आयोजित होना है। यह समूह वैश्विक आर्थिक शासन, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और ऊर्जा नीति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करता है। भारत को अक्सर इसमें 'आउटरीच देश' के रूप में आमंत्रित किया जाता है, जो इसकी वैश्विक प्रासंगिकता को दर्शाता है।
संदर्भ: International Relations News, April 2026.

3. प्रसिद्ध पुस्तक "हिंद स्वराज" के लेखक कौन हैं? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: महात्मा गांधी
व्याख्या: "हिंद स्वराज" गांधी जी द्वारा 1909 में लिखी गई थी। इसमें उन्होंने आधुनिक सभ्यता, स्वराज्य और मशीनीकरण की आलोचना की है। यह पुस्तक भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वैचारिक आधार को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और अक्सर परीक्षाओं में पूछी जाती है।
संदर्भ: NCERT Class 10 History, Ch 2 Nationalism in India, p. 30.

4. हमारे पर्यावरण के जैविक घटक का उदाहरण क्या है? (पर्यावरण)
उत्तर: पादप (पौधे)
व्याख्या: पर्यावरण दो घटकों से बना है: जैविक (Biotic) और अजैविक (Abiotic)। पौधे, जंतु और सूक्ष्मजीव जैविक घटक हैं, जबकि वायु, जल और मृदा अजैविक हैं। इनका संतुलन ही पारिस्थितिक तंत्र को जीवित रखता है। यह आधारभूत समझ सतत विकास के लिए अनिवार्य है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 5 Major Domains of the Earth, p. 35.

5. पुरापाषाण काल के औजार मुख्य रूप से किस सामग्री के बने थे? (इतिहास)
उत्तर: पत्थर
व्याख्या: इतिहास के प्रारंभिक चरण 'पुरापाषाण काल' में मानव ने शिकार के लिए पत्थर के अनगढ़ औजारों का प्रयोग किया। ये औजार नर्मदा घाटी और भीमबेटका जैसे स्थलों से प्राप्त हुए हैं। यह मानव सभ्यता के विकास क्रम का पहला महत्वपूर्ण अध्याय है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 2 From Hunting-Gathering to Growing Food, p. 12.

6. सौर मंडल का सबसे छोटा ग्रह कौन सा है? (भूगोल)
उत्तर: बुध
व्याख्या: बुध (Mercury) सूर्य के सबसे निकट और सौर मंडल का सबसे छोटा ग्रह है। यह सूर्य की परिक्रमा केवल 88 दिनों में पूरी करता है। इसका कोई उपग्रह नहीं है। खगोल विज्ञान से संबंधित यह प्रश्न प्रारंभिक स्तर की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछा जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 1 The Earth in the Solar System, p. 4.

7. भारतीय संविधान को अंगीकृत (Adopt) कब किया गया था? (संविधान)
उत्तर: 26 नवंबर 1949
व्याख्या: भारतीय संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को संविधान को स्वीकार किया था, जबकि यह 26 जनवरी 1950 को पूर्णतः लागू हुआ। इसीलिए 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह भारतीय लोकतंत्र के ढांचे की आधारशिला है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Civics, Ch 1 Understanding Diversity / Preamble.

8. 'DNA' का पूरा नाम क्या है? (विज्ञान)
उत्तर: डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक
व्याख्या: DNA (Deoxyribonucleic Acid) एक आनुवंशिक पदार्थ है, जो जीवों की वंशानुगत विशेषताओं को निर्धारित करता है। यह कोशिका के नाभिक में पाया जाता है और इसमें आनुवंशिक सूचना संग्रहित रहती है। DNA की संरचना डबल हेलिक्स होती है, जो जीवन के मूलभूत आधार को समझने में सहायक है।
संदर्भ: NCERT Class 10 Science, Ch 8 How do Organisms Reproduce, p. 132

9. 'भरतनाट्यम' किस राज्य का शास्त्रीय नृत्य है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: तमिलनाडु
व्याख्या: भरतनाट्यम भारत के सबसे पुराने शास्त्रीय नृत्यों में से एक है, जिसकी उत्पत्ति तमिलनाडु के मंदिरों से हुई। यह नृत्य भाव, राग और ताल का मिश्रण है। सांस्कृतिक विविधता और विरासत के अध्ययन में यह प्रश्न बार-बार दोहराया जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 9 The Making of Regional Cultures, p. 126.

10. बिहार का राजकीय वृक्ष कौन सा है? (बिहार GK)
उत्तर: पीपल
व्याख्या: पीपल का वृक्ष बिहार का राजकीय प्रतीक है। धार्मिक और पर्यावरणीय महत्व के साथ-साथ यह भगवान बुद्ध के 'बोधिसत्व' (ज्ञान प्राप्ति) का भी प्रतीक है। बिहार की राजकीय पहचान से संबंधित प्रश्न क्षेत्रीय परीक्षाओं हेतु अत्यंत उपयोगी हैं।
संदर्भ: Bihar State Portal; NCERT Class 6 History (Reference to Buddhism).

"सामान्य-ज्ञान"

11. अप्रैल माह के तीसरे शनिवार का सुरक्षित शनिवार टॉपिक क्या है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: भीषण गर्मी/लू
व्याख्या: सुरक्षित शनिवार की वार्षिक सारणी (W3, April) के अनुसार, वर्तमान में 'भीषण गर्मी और लू (Heat Wave)' से बचाव पर चर्चा निर्धारित है। इसके तहत बच्चों को ओआरएस (ORS) का घोल, पर्याप्त पानी पीने और दोपहर में बाहर न निकलने की सलाह दी जाती है।
संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (बिहार) वार्षिक कैलेंडर 2026-27; BSDMA.

12. एक आदमी के 5 बेटे हैं और हर बेटे की एक बहन है। उस आदमी के कुल कितने बच्चे हैं? (रीजनिंग)
उत्तर: छह (6)
व्याख्या: उस आदमी के 5 बेटे हैं। चूंकि प्रत्येक बेटे की वही एक बहन होगी, इसलिए कुल बच्चों की संख्या 5 \text{ (बेटे)} + 1 \text{ (बेटी)} = 6 होगी। यह तर्कशक्ति प्रश्न बच्चों के संज्ञानात्मक विकास और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को परखता है।
संदर्भ: Logical Reasoning for Junior Competitive Exams (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Placid (प्लैसिड) = Calm (कैल्म) = शांत / स्थिर
Antonym – Agitated (एजिटेटेड) = विचलित / उत्तेजित
Quaint (क्वेंट) = Unusual (अनयूज़ुअल) = विचित्र / अनोखा
Antonym – Ordinary (ऑर्डिनरी) = साधारण
Ruthless (रूथलेस) = Cruel (क्रूएल) = निर्दयी
Antonym – Merciful (मर्सीफुल) = दयालु
Sturdy (स्टर्डी) = Strong (स्ट्रॉन्ग) = मजबूत
Antonym – Weak (वीक) = कमजोर
Tactful (टैक्टफुल) = Diplomatic (डिप्लोमैटिक) = व्यवहारकुशल
Antonym – Tactless (टैक्टलेस) = असंवेदनशील

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister addresses 'Civil Services Day' eve; launches 'Karmayogi Bharat 3.0' for AI-driven capacity building of 1.5 million officials.
प्रधानमंत्री ने 'सिविल सेवा दिवस' की पूर्व संध्या पर संबोधित किया; 15 लाख अधिकारियों के एआई-आधारित क्षमता निर्माण के लिए 'कर्मयोगी भारत 3.0' लॉन्च किया।

ISRO and NCERT joint venture 'Antariksh Pathshala' reaches 1,000 rural schools; provides live satellite-based STEM labs.
इसरो और एनसीईआरटी के संयुक्त उपक्रम 'अंतरिक्ष पाठशाला' ने 1,000 ग्रामीण स्कूलों तक पहुंच बनाई; लाइव सैटेलाइट-आधारित STEM लैब की सुविधा प्रदान की।

Ministry of Jal Shakti declares 'Jal Jeevan Mission 2.0' success; India achieves 98% sustainable water management in high-stress zones.
जल शक्ति मंत्रालय ने 'जल जीवन मिशन 2.0' की सफलता की घोषणा की; भारत ने जल-तनाव वाले क्षेत्रों में 98% स्थायी जल प्रबंधन हासिल किया।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council adopts 'Global AI Ethics Charter'; mandates transparency and human oversight for military AI applications.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'ग्लोबल एआई एथिक्स चार्टर' अपनाया; सैन्य एआई अनुप्रयोगों के लिए पारदर्शिता और मानवीय निगरानी अनिवार्य।

BBC Report: World Meteorological Organization (WMO) confirms record 40% growth in Renewable Energy capacity across Asia in 2025-26.
बीबीसी रिपोर्ट: विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने 2025-26 के दौरान पूरे एशिया में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में रिकॉर्ड 40% वृद्धि की पुष्टि की।

WHO introduces 'Digital Health Passport' framework to streamline cross-border medical data sharing for pandemic prevention.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने महामारी रोकथाम के लिए सीमा पार चिकित्सा डेटा साझाकरण को सुव्यवस्थित करने हेतु 'डिजिटल हेल्थ पासपोर्ट' ढांचा पेश किया।

BIHAR NEWS

Bihar SCERT launches 'Digital Vidya' portal for real-time tracking of NIPUN Bihar outcomes in 75,000 primary schools.
बिहार एससीईआरटी ने 75,000 प्राथमिक स्कूलों में 'निपुण बिहार' के परिणामों की रीयल-टाइम ट्रैकिंग के लिए 'डिजिटल विद्या' पोर्टल लॉन्च किया।

Bihar Government approves 'Mukhya Mantri Green Industry Policy' to offer 20% subsidy for eco-friendly manufacturing units.
बिहार सरकार ने पर्यावरण के अनुकूल विनिर्माण इकाइयों के लिए 20% सब्सिडी प्रदान करने हेतु 'मुख्यमंत्री हरित उद्योग नीति' को मंजूरी दी।

SPORTS NEWS

India wins Asian Wrestling Championships 2026 overall trophy in Bishkek; Aman Sehrawat and Antim Panghal clinch gold.
भारत ने बिश्केक में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 की ओवरऑल ट्रॉफी जीती; अमन सहरावत और अंतिम पंघाल ने स्वर्ण पदक हासिल किए।

Sports Ministry announces 'Mission 2036'; plans to establish 5 specialized High-Performance Centers for athletics and shooting.
खेल मंत्रालय ने 'मिशन 2036' की घोषणा की; एथलेटिक्स और शूटिंग के लिए 5 विशेष हाई-परफॉर्मेंस केंद्र स्थापित करने की योजना।

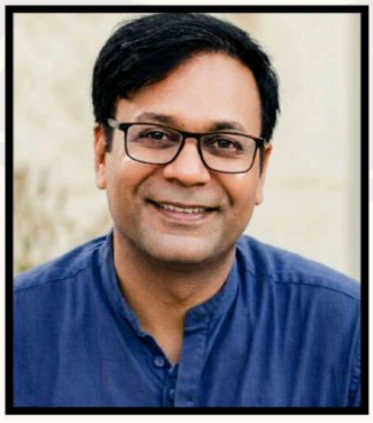

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग
"सेवा ही सच्ची सफलता"

विद्यालय की प्रार्थना सभा में आज विषय था—कर्तव्य और जनसेवा। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।
मैडम जी ने पूछा—
"बच्चों, सफलता किसे कहते हैं?"
किसी ने कहा—अच्छे अंक, किसी ने—अच्छी नौकरी।
मैडम जी मुस्कुराईं और बोलीं—
"सफलता वह है, जिससे दूसरों का जीवन बेहतर बने।"
फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई—
एक युवा अधिकारी था अभय। उसे एक दूर-दराज़ क्षेत्र में नियुक्ति मिली। वहाँ पानी की कमी थी, सड़कें टूटी थीं और लोग परेशान थे। कई लोगों ने कहा—
"यहाँ कुछ बदलना मुश्किल है।"
लेकिन अभय ने हार नहीं मानी। उसने गाँव वालों से बात की, उनकी समस्याएँ समझीं और मिलकर काम शुरू किया।
वर्षा जल संचयन की योजना बनाई। टूटे रास्तों की मरम्मत करवाई। बच्चों की पढ़ाई के लिए अभियान चलाया।
धीरे-धीरे गाँव बदलने लगा। लोगों के चेहरे पर खुशी लौट आई।
एक दिन किसी ने अभय से पूछा—
"आपको सबसे बड़ी खुशी किस बात से मिलती है?"
अभय ने मुस्कुराकर कहा—
"जब लोगों की जिंदगी बेहतर होती है, वही मेरी सबसे बड़ी सफलता है।"
मैडम जी ने बच्चों से कहा—
"बच्चों, सच्चा नेता वही होता है, जो दूसरों के लिए काम करे, न कि सिर्फ अपने लिए।"
सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—
"हम अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाएँगे और समाज की सेवा करेंगे।"

🌟 संदेश : "सच्ची सफलता वही है, जो दूसरों के जीवन में खुशियाँ लाए।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

"गांधीवादी शिक्षा दर्शन — स्वावलंबन और '3H' का समन्वय"

शिक्षक साथियों, महात्मा गांधी केवल एक राजनैतिक नेता नहीं थे, बल्कि वे एक महान शिक्षाशास्त्री भी थे। उनका मानना था कि शिक्षा वह है जो मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा का सर्वांगीण विकास करे। गांधी जी ने जिस शिक्षा पद्धति की वकालत की, उसे हम 'बुनियादी शिक्षा' या 'वर्धा योजना' के नाम से जानते हैं। आज के दौर में जब हम 'कौशल विकास' और 'व्यावसायिक शिक्षा' की बात करते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि गांधी जी ने दशकों पहले यह कह दिया था कि बच्चे के हाथ की शिक्षा उसके मस्तिष्क की शिक्षा से पहले या साथ-साथ होनी चाहिए।

गांधी जी के दर्शन का सबसे महत्वपूर्ण सूत्र है— '3H' यानी Head (मस्तिष्क), Heart (हृदय) और Hand (हाथ)। उनका स्पष्ट मानना था कि यदि हम बच्चे को केवल किताबी ज्ञान (Head) दे रहे हैं और उसके चरित्र (Heart) एवं कौशल (Hand) पर ध्यान नहीं दे रहे, तो वह शिक्षा अधूरी और समाज के लिए अनुपयोगी है। एक शिक्षक के रूप में हमारे लिए इसका अर्थ यह है कि हमारी कक्षा केवल ब्लैकबोर्ड और कापियों तक सीमित न रहे, बल्कि वह जीवन की कार्यशाला बने। गांधी जी चाहते थे कि प्रत्येक बच्चा किसी न किसी हस्तशिल्प या रचनात्मक कार्य में दक्ष हो, ताकि वह आत्मनिर्भर बन सके।

उदाहरण:

इसे अपनी रोजमर्रा की शिक्षण प्रक्रिया से जोड़कर देखते हैं। मान लीजिए आप कक्षा में 'पौधों के भाग' पढ़ा रहे हैं। एक तरीका यह है कि आप चित्र बनाकर बच्चों को नाम रटा दें। लेकिन गांधीवादी दर्शन का पालन करने वाला शिक्षक बच्चों को स्कूल के बगीचे में ले जाएगा। वहाँ बच्चे अपने हाथों (Hand) से मिट्टी छुएंगे, पौधा लगाएंगे और उसकी देखभाल करेंगे। इस प्रक्रिया में वे न केवल विज्ञान सीखेंगे (Head), बल्कि प्रकृति के प्रति उनके हृदय (Heart) में संवेदनशीलता और प्रेम भी जागेगा। जब बच्चा खुद मेहनत करके कुछ उगाता है, तो वह श्रम का सम्मान करना सीखता है। यही वह 'स्वावलंबन' है जिसकी गांधी जी कल्पना करते थे।

शिक्षक साथियों, गांधी जी का एक और बड़ा आग्रह 'मातृभाषा' में शिक्षा को लेकर था। उनका मानना था कि विदेशी भाषा में शिक्षा बच्चे के मस्तिष्क पर अनावश्यक बोझ डालती है और उसे अपने परिवेश से काट देती है। आज की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) में प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा पर जो जोर दिया गया है, वह गांधी जी के इसी दूरदर्शी विचार का प्रतिबिंब है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हम अपनी शिक्षण प्रक्रिया को 'पुस्तकीय' से 'प्रायोगिक' बनाने का प्रयास करें। जब हम बच्चों को किसी रचनात्मक कार्य में संलग्न करते हैं, तो हम केवल एक छात्र को नहीं पढ़ा रहे होते, बल्कि हम एक आत्मनिर्भर और चरित्रवान नागरिक का निर्माण कर रहे होते हैं। विचार कीजिएगा कि कल की कक्षा में आप ज्ञान को 'हाथों के कौशल' से कैसे जोड़ सकते हैं?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 37

(इंटरमीडिएट के बाद – Bachelor of Design (B.Des))

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि डिज़ाइन, क्रिएटिविटी, इनोवेशन, प्रोडक्ट डेवलपमेंट और यूज़र एक्सपीरियंस में है, तो Bachelor of Design (B.Des) एक अत्यंत आधुनिक और तेजी से उभरता हुआ करियर विकल्प है। इस कोर्स में Product Design, Fashion Design, Graphic Design, UI/UX Design, Animation, Visual Communication, Design Thinking आदि विषयों का अध्ययन कराया जाता है, जिससे आप रचनात्मक विचारों को उपयोगी उत्पाद/सेवा में बदलना सीखते हैं।

अर्हता: 12वीं उत्तीर्ण (किसी भी संकाय से); रचनात्मक सोच और डिज़ाइन में रुचि आवश्यक।

नामांकन प्रक्रिया:

प्रमुख संस्थानों में प्रवेश हेतु डिज़ाइन एंट्रेंस एग्जाम (जैसे NIFT/NID) देना होता है। आवेदन और जानकारी संबंधित संस्थानों की वेबसाइट पर उपलब्ध रहती है।

बिहार के विकल्प (संबद्ध/प्रशिक्षण):

Aryabhatta Knowledge University (संबद्ध कॉलेज)

Bihar Skill Development Mission (डिज़ाइन/क्रिएटिव स्किल कोर्स)

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान:

National Institute of Design – nid.edu

National Institute of Fashion Technology – nift.ac.in

Indian Institute of Technology Bombay (Design Program – IDC School)

कोर्स अवधि: 4 वर्ष (डिग्री स्तर)।

रोजगार की संभावना:

डिज़ाइन स्टूडियो, IT कंपनियाँ (UI/UX), फैशन इंडस्ट्री, एडवरटाइजिंग एजेंसी, एनीमेशन/गेमिंग, प्रोडक्ट कंपनियाँ। प्रारंभिक वेतन ₹25,000–60,000 प्रति माह, अनुभव और पोर्टफोलियो के आधार पर अधिक।

स्व-रोजगार के अवसर:

फ्रीलांस डिजाइनिंग, स्टार्टअप, ब्रांड/प्रोडक्ट डिजाइन, ऑनलाइन क्रिएटिव सर्विस—उच्च आय की संभावना।

आगे के अवसर:

M.Des, UI/UX स्पेशलाइजेशन, इंटरनेशनल डिजाइन कोर्स, स्टार्टअप/इनोवेशन प्रोजेक्ट।

वित्तीय सहायता:

बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन करें।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप रचनात्मकता के साथ तकनीक और नवाचार को जोड़कर करियर बनाना चाहते हैं, तो B.Des आपके लिए अत्यंत आकर्षक और भविष्य-सुरक्षित विकल्प है।

अगले पत्र में – ❖मैट्रिक के बाद : Painter (Building & Industrial Painting)। 🎨🏠

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

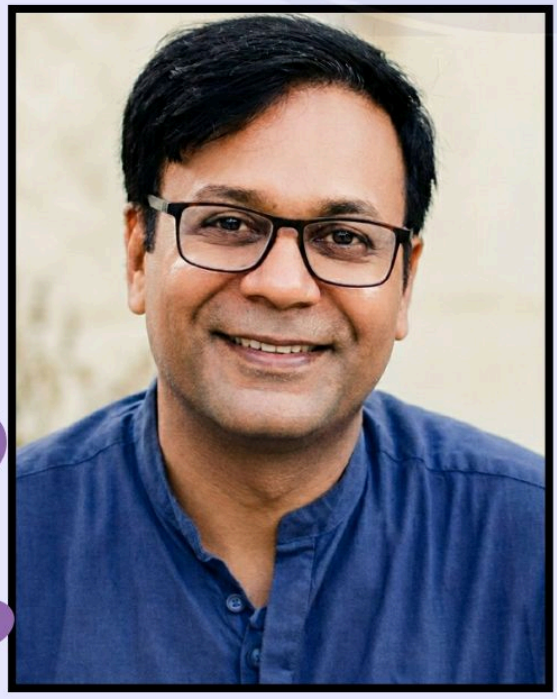

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org